गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 04 | गोरखपुर रविवार 20 जुलाई 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

सीएम योगी ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर जमकर साधा निशाना

सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष फैलाने का हो रहा प्रयास: योगी

- वाराणसी में बिरसा मुंडा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित
- मुख्यमंत्री ने विभिन्न संस्मरणों के जरिए जनजातीय समाज से अपने जुड़ाव को रखा सामने

संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को वसंत महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों में विभेद और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे रोकने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। उन्होंने भगवान राम, भगवान कृष्ण, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में जनजातीय समाज के योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि जब भगवान राम वनवास में थे और माता सीता का अपहरण हुआ, तब उनके पास अयोध्या या जनकपुर की सेना नहीं थी। उस समय जनजातीय समाज ने उनके साथ मिलकर रावण के खिलाफ युद्ध लड़ा।

इसी तरह, महाराणा प्रताप ने अरावली के जंगलों में भटकते हुए जनजातीय समाज के सहयोग से अपनी सेना का पुनर्गठन किया और अकबर से युद्ध किया। छत्रपति शिवाजी ने भी वनवासी समाज के सहयोग से हिंदवी साम्राज्य की स्थापना की। मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हमने अक्सर देश की वर्तमान स्वतंत्रता को ही राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में देखा, लेकिन जनजातीय समाज ने हर युग में सनातन धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

बिरसा मुंडा ने अल्पायु में धरती माता और गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने का संदेश दिया, जो आज भी प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को भाजपा में शामिल किया जा रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानभवन में भाजपा और एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेताओं के समर्थकों के बीच हुई झड़प के बाद राज्य की राजनीति में उबाल आ गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इसे 'गैंगवार' बताया है और दावा किया कि भाजपा में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को जगह दी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस्तीफा देने और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। संजय राउत ने कहा कि जो कुछ भी महाराष्ट्र विधानभवन में हुआ, वह किसी लोकतांत्रिक राज्य की नहीं बल्कि एक 'गैंगवार' की तस्वीर थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से हत्या, डकैती और मकोका जैसे गंभीर अपराधों में शामिल लोग वहां मौजूद थे, वह राज्य की छवि को धूमिल करता है। राउत ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज का हवाला देते हुए कहा कि यह दृश्य चौंकाने वाले और शर्मनाक हैं।

राहुल गांधी का बयान

आरएसएस और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचते, यही मेरी सबसे बड़ी शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई जनता के बारे में नहीं सोचता और उनसे नहीं जुड़ पाता तो वह नेता नहीं बन सकता। शुक्रवार को राहुल गांधी केरल के कोट्टायम में राज्य के पूर्व सीएम ओमान चांडी की दूसरी पुण्यतिथि के कार्यक्रम में शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा कि 'मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई भावना नहीं है।' राहुल गांधी ने कहा कि 'मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं।' हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। इसे लेकर ही राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है।

'गंभीर बीमार कैदियों की रिहाई के लिए समान नियम बनाएं सभी राज्य', सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार

को कहा कि जेल नियम हर राज्य के लिए अलग-अलग होते हैं, लेकिन गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई को लेकर सभी राज्यों को समान नियम बनाने चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रखा, जिसमें गंभीर रूप से बीमार या 70 वर्ष से अधिक उम्र के कैदियों की रिहाई की मांग की गई थी। केंद्र सरकार ने बताया कि इस विषय पर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई गई है और इसे रिकॉर्ड पर रखा गया है। हालांकि, बेंच ने कहा, आखिरकार जेल नियम राज्यों पर ही लागू होते हैं। सभी राज्यों को एक समान जेल नियम बनाने होंगे, जिसमें गंभीर बीमारियों से पीड़ित कैदियों की रिहाई का प्रावधान हो। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार गंभीर रूप से बीमार कैदियों को लेकर चिंतित है और सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को एसओपी के तहत ऐसे कैदियों की उचित देखभाल और प्रबंधन के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है। सरकार ने यह भी कहा कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश 'सामान्य माफी' (जनरल एमनेस्टी) के तहत भी ऐसे कैदियों की रिहाई पर विचार कर सकते हैं। बेंच ने इस बात पर चिंता जताई कि इस व्यवस्था का गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि यह तय करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश हों कि कौन-कौन से कैदी इस रिहाई के पात्र होंगे। नालसा की ओर से पेश वकील ने बताया कि उनके द्वारा बनाई गई एसओपी में यह स्पष्ट किया गया है कि कौन से कैदी गंभीर रूप से बीमार की श्रेणी में आएंगे और जेल के मेडिकल अधिकारी से इसका प्रमाण पत्र लिया जाएगा। इस पर बेंच ने टिप्पणी की, पहचान करना अलग बात है, लेकिन सत्यापित करने में ही असली मुश्किल है। इस व्यवस्था के दुरुपयोग की काफी संभावना है। भाटी ने बताया कि केंद्र की एसओपी में एक मेडिकल बोर्ड गठित करने की बात कही गई है जो ऐसे मामलों की जांच करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि एक कैदी 1985 से अस्थमा से पीड़ित है।

सीएम सिद्धारमैया का बड़ा बयान...

बंगलूरू भगदड़ जांच रिपोर्ट पर अगली बैठक में होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बंगलूरू में जून में हुई भगदड़ की घटना पर बनी एक सदस्यीय जांच आयोग की रिपोर्ट पर अगली कैबिनेट बैठक में चर्चा की बात कही है। इस घटना में 11 लोगों की जान गई थी और कई घायल हुए थे। सरकार ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जॉन माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट 11 जुलाई को सरकार को सौंप दी थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जांच रिपोर्ट का सारांश सभी मंत्रियों को पढ़ने के लिए दे दिया गया है। अगली कैबिनेट बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा होगी। सिद्धारमैया ने मीडिया को बताया कि रिपोर्ट कैबिनेट के सामने पेश की गई है, लेकिन इस पर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। रिपोर्ट में क्या कहा गया है, यह मैं बाद में बताऊंगा।

भगदड़ में गई थीं 11 जानें

यह घटना 4 जून को बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई थी। इस दिन आईपीएल टीम आरसीबी की जीत का जश्न था, जिसमें भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अव्यवस्था के चलते भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए।

सम्पादकीय...

इतिहास से छेड़छाड़ में देश का नुकसान

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगल शासन काल की नयी तस्वीर पेश की गई है। इसके जरिए विद्यार्थियों को समझाया जा रहा है कि यह इतिहास का अंधेरा दौर था। किताब में बाकायदा एक अस्वीकरण यानी डिस्क्लेमर दिया गया है, जिसमें लिखा है कि इतिहास के अंधेरे दौर के लिए आज किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। यह अस्वीकरण काफी अहमकाना लगता है, क्योंकि इतिहास और वह भी सदियों पुराने इतिहास के लिए तो यूं भी किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जो कुछ अतीत में घटा है, उसका तार्किक विश्लेषण करना, और गलतियों को न दोहराने का सबक लेना, इस मकसद के साथ इतिहास का पाठ किया जाना चाहिए। यह तभी हो सकता है जब इतिहास को संतुलित और संवेदनशील तरीके से पढ़ाया जाए। इतिहास इस अर्थ में जटिल होता है कि वहां अच्छे और बुरे, सही और गलत का सीधा विभाजन नहीं होता, इनके बीच कई ऐसे मुकाम होते हैं, जहां हालात घटनाओं की व्याख्या करते हैं। कभी कोई राजा अपना राज्य बचाने के लिए क्रूरता का सहारा लेता है और कभी किसी राजा की अकर्मण्यहीनता में प्रजा पिसती है। हिंसा, रक्तपात, कत्लेआम, इंसानों की सामान की तरह तिजारत ऐसी कई अमानवीय घटनाएं भारत समेत पूरे विश्व इतिहास में दर्ज हैं। खासकर मध्ययुग का इतिहास तो इन्हीं से अटा पड़ा है, क्योंकि तब तक इंसान ने सभ्यता और विकास के मायने समझ लिए थे। आग और पहिए के आविष्कार के बाद अन्य पशुओं से आगे इंसान निकल गया तो उसके जीवन में व्यापार, धर्म और सियासत के लिए जगह बनने लगी। उस दौर में न कोई संविधान था, न आज की तरह का लोकतंत्र था, इसलिए नैतिकता के मापदंड भी अलग थे। तब की घटनाओं की व्याख्या आज के परिप्रेक्ष्य में नहीं की जा सकती। मगर मोदी सरकार इस काम को भी मुमकिन बनाने में लगी है। दरअसल 2014 के बाद इतिहास के पुनर्लेखन पर ऐलानिया काम शुरू हो चुका है। इससे पहले जब भाजपा विपक्ष में थी, या उससे पहले जब बाजपेयी सरकार थी, तब भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच के मुताबिक ही भारतीय इतिहास का भगवाकरण करने की चाह भाजपा की रही, लेकिन उसे अमल में लाने का दुस्साहस कभी नहीं हुआ। अब चूंकि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल चल रहा है, तो भाजपा को यह गुमान है कि उसकी सत्ता भारत में स्थायी हो चुकी है, इसलिए अब इतिहास को बदलने पर काम शुरू हो गया है। एनसीईआरटी की किताबों को इसका जरिया बनाया गया है। क्योंकि इसके जरिए नयी पीढ़ी के दिमाग में जहर बोने का काम आसानी से होगा। कोई आरोप लगाए तो उसे किताब का डिस्क्लेमर दिखाया जाएगा। 2025-26 सत्र के लिए प्रकाशित की गयी कक्षा 8 की नई किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटी इंडिया एंड बियॉंड (भाग 1) में बाबर, अकबर, औरंगजेब सभी को बेहद क्रूर, निर्दयी शासकों की तरह पेश किया गया है, जिन्होंने हिंदुओं के मंदिर तोड़े, उन पर जजिया कर लगाया और औरतों-बच्चों को बेरहमी से मारा। इसलिए इस पूरे काल के लिए अंधेरे शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

राशिफल

मेषः- आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है।

वृषभः- मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें।

मिथुनः- लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्कः- कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंहः- आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें।

कन्याः- आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं।

तुलाः- व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिकः- आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनुः- आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकरः- व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभः- आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीनः- गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

प्रो. संजय द्विवेदी

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं। अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं स्व पर आधारित हों। स्व आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता स्व की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकूल नहीं थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और नया भारत बनाने का संकल्प झलकता है। किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंघन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की

पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं। पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है स्वदेशी। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है।

कुछ खास...

मोदी सरकार और चुनाव आयोग

कांसभी परिस्थितियां और बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का तरीका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के बीच अद्भुत तालमेल की ओर संकेत कर रहे हैं। भाजपा लंबे समय से दावा करती रही है कि बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों और मतदाताओं के दोहरे नाम मतदाता सूची में हैं और इसलिए इसे साफ करने की जरूरत है। दूसरी ओर, इंडिया गठबंधन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया है कि उसकी सरकार ने राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए मतदाता सूची से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटवाने के इरादे से यह प्रक्रिया शुरू की है। एक तीसरी राय यह है कि ये अल्पकालिक लक्ष्य हैं और इस कवायद का असली मकसद बिहार में सत्ता हासिल करने से कहीं आगे बढ़कर पूरे देश को अपने दायरे में लेना है, और अंततरू देश के लिए एनआरसी का एक खाका तैयार करना है, जो भारत के लोगों के कड़े प्रतिरोध के कारण रुका हुआ है। आइए एक-एक करके तीनों दावों की जांच करें। भारत के चुनाव आयोग ने कहा है कि अब तक एसआईआर प्रक्रिया के दौरान उन्हें मतदाता सूची में बड़ी संख्या में अवैध नेपाली और बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम मिले हैं। आयोग ने इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है, लेकिन यह संकेत देता है कि संशोधित मतदाता सूची से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटा दिये जायेंगे। अब आते हैं इंडिया ब्लॉक के इस दावे पर कि बड़ी संख्या में मतदाताओं, जिन्हें वे अपना मतदाता मानते हैं, के नाम हटाये जाने हैं। उनका डर इस तथ्य से उपजा है कि बिहार के बड़ी संख्या में वंचित गरीब लोगों के पास उन 11 दस्तावेजों में से कोई भी नहीं है जिन्हें चुनाव आयोग ने उनकी नागरिकता के प्रमाण के रूप में वैध दस्तावेज के रूप में सूचीबद्ध किया

है। पिछले चुनावों के नतीजों ने साफ तौर पर दिखाया है कि ये लोग भाजपा या एनडीए को नहीं बल्कि इंडिया ब्लॉक के घटक दलों का समर्थन करते रहे हैं। जब हम दोनों दावों को मिलाते हैं, तो हमें बिहार के लिए एक भयावह राजनीतिक परिदृश्य दिखायी देता है। आरएसएस-भाजपा गठबंधन की तर्ज पर वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक याचिका में दिया गया कि हर विधानसभा क्षेत्र में 8,000-10,000 अवैध, दोहरी और फर्जी प्रविष्टियां हैं, तथा 2000-3000 मतदाताओं की मामूली विसंगतियां भी चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकती हैं। आश्चर्यजनक रूप से यह आंकड़ा महागठबंधन नेता तेजस्वी यादव के दावे से लगभग मेल खाता है। उन्होंने दावा किया है कि मतदाता सूची से सिर्फ एक प्रतिशत मतदाताओं के बाहर होने से भी बिहार भर में लगभग 7.9 लाख मतदाता मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। राज्य में 2020 में हुए पिछले चुनाव में, 52सीटों पर जीत का अंतर सिर्फ 5000 वोटों से कम का था। अगर यही स्थिति रही, तो हर निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 3,200 वोट कट सकते हैं।

निंजा की हीर का पहला लुक रिलीज, 20 जुलाई को गाना होगा रिलीज

इस गाने में निंजा और शहनाज अख्तर ने अपनी आवाज दी है, संगीत अदन ने दिया है और बोल राजा ने लिखे हैं। गाने में खूबसूरत सुष्मिता सिंह और माही संधू भी हैं जो इस

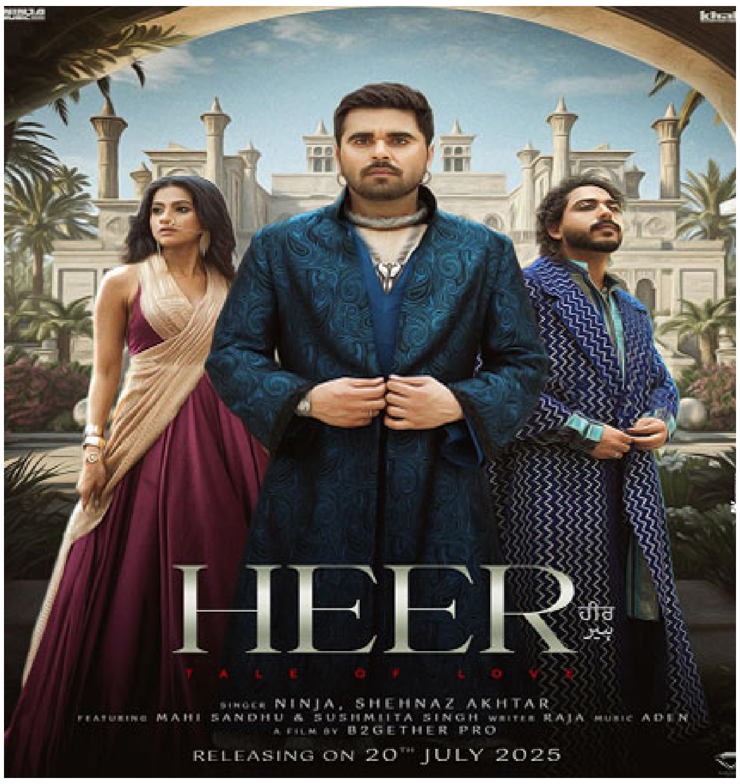

प्रोजेक्ट में गहराई जोड़ते हैं। काफी इंतजार के बाद, गायक निंजा आखिरकार अपने नए रोमांटिक इंडी पॉप सिंगल हीर को रिलीज करने के लिए तैयार हैं, जो 20 जुलाई 2025 को रिलीज होगा। इस गाने में निंजा और शहनाज अख्तर ने अपनी आवाज दी है, संगीत अदन ने दिया है और बोल राजा ने लिखे हैं। गाने में खूबसूरत सुष्मिता सिंह और माही संधू भी हैं जो इस प्रोजेक्ट में गहराई जोड़ते हैं। इस प्रोजेक्ट को संदीप विर्क ने रचनात्मक रूप से अंजाम दिया है। हाल ही में रिलीज हुए पोस्टर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है क्योंकि यह समृद्ध, शाही और भावनाओं से भरपूर है। यह एक ऐसी प्रेम कहानी की झलक पेश करता है जो गहन और कालातीत लगती है। अपने सुकून भरे इंडी पॉप वाइब और प्यार, चाहत और ड्रामा की झलक दिखाने वाली कहानी के साथ, ष्हीरष् एक ऐसा गाना लगता है जो हमेशा याद रहेगा। निंजा के प्रशंसक जो किसी दिल को छू लेने वाली और अलग चीज का इंतजार कर रहे हैं, उनके लिए यह पोस्टर उम्मीद जगाता है और हर पल सार्थक होने वाला है।

नहीं आया था हार्ट अटैक...

पंचायत के दामाद जी आसिफ खान ने हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होते ही कही ये बात

पंचायत के दामाद जी यानी आसिफ खान बीते दिनों हॉस्पिटल में भर्ती थी। कहा जा रहा था कि उन्हें हार्ट अटैक आया था। वहीं अब वह हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो गए हैं। डिस्चार्ज होते ही एक्टर ने बताया कि उन्हें हार्ट अटैक नहीं आया था। जी हां, एक वेब

पोर्टल से बातचीत में कहा, श्तो सबसे पहले, मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यह हार्ट अटैक नहीं था। यह गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज थी। इसके लक्षण हार्ट अटैक जैसे लग रहे थे लेकिन अब मैं पूरी तरह से फिट हूं। मालूम हो कि आसिफ खान रविवार 13 जुलाई को को पूरे दिन गाड़ी चलाकर राजस्थान स्थित अपने होमटाउन से मुंबई पहुंचे। शाम को उनके सीने में दर्द हुआ और वह बाथरूम में बेहोश हो गए। इसके बाद देर शाम उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बता दें कि आसिफ क श्पंचायतश में उनके किरदार और डायलॉग के लिए जाना जाता है जबकि वह हाल ही फिल्म द भूतनी में नजर आए थे।

द ट्रेटर्स की विनर उर्फी जावेद को ये क्या हुआ? तस्वीर में एक्ट्रेस को पहचानना हुआ मुश्किल

सोशल मीडिया सेंसेशन और शो द ट्रेटर्स की विनर उर्फी जावेद को सुर्खियों में रहना अच्छे से आता है। अपने बोल्ड अंदाज और यूनिक फैशन सेंस के लिए पहचानी जाने वाली उर्फी इस बार अपने चेहरे की बिगड़ी हालत को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी एक ऐसी सेल्फी शेयर की है, जिसे देखकर उनके फैंस

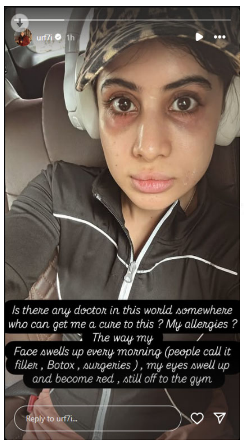

हैरान रह गए। उर्फी जावेद ने अपनी लेटेस्ट इंस्टाग्राम स्टोरी में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वो कार में बैठी नजर आ रही हैं। सिर पर कैप, कानों में हेडफोन और कैजुअल ट्रैकसूट पहने उर्फी का चेहरा इस बार पूरी तरह सूजा हुआ दिखाई दे रहा है। खासतौर पर उनकी आंखें लाल और काली दिख रही हैं, जैसे अंदर धंस गई हों। तस्वीर में उनका चेहरा पहचानना तक मुश्किल हो रहा है। उर्फी की इस तस्वीर पर जहां कई फैंस ने चिंता जाहिर की, वहीं कुछ लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि शायद यह बोटॉक्स या फेशियल सर्जरी का असर है।

लेकिन उर्फी ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए खुद बताया कि उनकी ये हालत एलर्जी की वजह से हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा क्या इस दुनिया में कोई ऐसा डॉक्टर है जो मेरी एलर्जी का इलाज कर सके? हर सुबह जब मेरा चेहरा सूज जाता है, लोग कहते हैं ये फिलर या बोटॉक्स का असर है, लेकिन सच ये है कि ये एक पुरानी एलर्जी है। मेरी आंखें लाल और सूजी हुई हैं... फिर भी मैं जिम जा रही हूं। बता दें, यह पहली बार नहीं है जब उर्फी को इस तरह की एलर्जी हुई हो। इससे पहले भी उनके चेहरे पर सूजन और रैशेज की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उर्फी को इस एलर्जी का लंबे समय से सामना करना पड़ रहा है और अब शायद उन्हें किसी स्थायी उपचार की जरूरत है। बात करें प्रोफेशनल फ्रंट की तो हाल ही में उर्फी ने करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स का खिताब अपने नाम किया था। इस शो में उनकी चालाकी, रणनीति और मासूमियत का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला था।

शादी टूटी और फिर पिता का देहांत...

अर्चना गौतम ने सुनाया लबूबू डॉल का डरवाना किस्सा, फैंस से की डॉल ना खरीदने की गुजारिश

लबूबू डॉल के चारों तरफ चर्चे हो रहे हैं। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक हर कोई इसे फ्लॉन्ट कर रहा है। हालांकि इस चर्चित डॉल को लेकर कुछ डरवाने किस्से भी सुनने को मिल रहे हैं। कुछ लोग इस डॉल को शापित बता रहे हैं। बिग बॉस फेम एक्ट्रेस अर्चना गौतम ने भी इस डॉल से जुड़ा एक खौफनाक किस्सा सुनाया। इतना ही नहींअर्चना ने अपने फैंस से डॉल ना खरीदने की मांग भी की है। अर्चना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड की है और इसमें इस किस्से को रिवील किया है। वीडियो में अर्चना ने कहा-मेरी एक रिश्तेदार की दोस्त ने यह डॉल खरीदी थी। खरीदते ही उसके घर में अजीबो-गरीब चीजें होने लगी थीं। मेरी रिश्तेदार की दोस्त की शादी टूट गई, कुछ दिन पहले ही उसकी शादी तय हुई थी। लाबूबू डॉल के आने के अगले ही दिन उसके पापा का देहांत हो गया। बाद में उस लड़की ने लाबूबू डॉल अर्चना की रिश्तेदार को देनी चाहिए मगर उन्होंने लेने से इंकार कर दिया। अर्चना आगे कहती हैं-उस लड़की ने कहा है कि यह डॉल बिल्कुल भी अच्छी नहीं है। यह सब कुछ बिगाड़ देती है।

क्या आप भी पेट फूलने की समस्या से हैं परेशान? जानिए इसके कारण और बचाव के आसान उपाय

अक्सर कुछ लोग पेट फूलने की समस्या से परेशान रहते हैं, इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन्हीं में दो मुख्य कारण हैं खाने का गलत तरीका और दिनचर्या की कुछ गलत आदतें। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही इससे बचाव के उपाय भी जानेंगे।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पेट फूलना या पेट में गैस बनना एक आम परेशानी है, जिससे लगभग हर दूसरा व्यक्ति कभी न कभी जरूर जूझता है। इस असहज स्थिति में पेट भरा हुआ या कसा हुआ महसूस होता है, और कभी-कभी हल्का दर्द भी हो सकता है।भले ही पेट फूलना आमतौर पर किसी बड़ी बीमारी का संकेत न हो, लेकिन यह हमारी दिनभर की गतिविधियों और मूड को बुरी तरह प्रभावित करता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी जड़ें हमारी खाने-पीने की आदतों और रोजमर्रा की जीवनशैली में छिपी होती है। जिन लोगों को पेट फूलने या पेट में गैस बनने की शिकायत रहती है, वो थोड़ी समझदारी और कुछ आसान बदलावों से इस परेशानी से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं। आइए इस लेख में पेट फूलने के मुख्य कारणों और इससे बचाव के सरल उपाय के बारे में जानते हैं।

खाने-पीने की गलत आदतें हैं मुख्य वजह

पेट फूलने का एक बड़ा कारण हमारी खाने-पीने की आदतें हैं। जब हम बहुत तेजी से खाते हैं या खाना ठीक से चबाते नहीं, तो भोजन के साथ ज्यादा हवा निगल जाते हैं, जिससे पेट में गैस बन सकती है। इसके अलावा, कुछ खास तरह के खाद्य पदार्थ भी पेट फूलने का कारण बनते हैं। इनमें राजमा, छोले, दालें, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी गैस बनाने वाली सब्जियां शामिल हैं।काबोर्नेटेड ड्रिंक्स (जैसे कोल्ड ड्रिंक), सोडा और आर्टिफिशयल स्वीटनर (कृत्रिम मिठास) भी पेट में गैस पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को लैक्टोज इंटॉलरेंस (दूध पचाने में दिक्कत) या ग्लूटेन सेंसिटिविटी (गेहूं के प्रति संवेदनशीलता) के कारण भी पेट फूलने की समस्या होती है, क्योंकि उनका शरीर इन चीजो को ठीक से पचा नहीं पाता है।

जीवनशैली की कुछ गलत आदतें हैं मुख्य कारण

हमारे लाइफस्टाइल की भी कुछ आदतें पेट फूलने की समस्या का कारण हो सकती हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी होने पर आंतें धीरे काम करती हैं, जिससे भोजन का पाचन धीमा हो जाता है और गैस बनने लगती है। इसके अलावा, तनाव और चिंता का सीधा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है। तनाव की वजह से पाचन प्रक्रिया बिगड़ सकती है और पेट में गैस की समस्या बढ़ सकती है। कम पानी पीना भी कब्ज का कारण बन सकता है, जो अक्सर पेट फूलने की समस्या को बढ़ाता है। च्युइंग गम चबाने या खाना खाते समय बात करने से भी हम ज्यादा हवा निगल लेते हैं, जो पेट में गैस बनाती है। अनियमित खान-पान और देर रात खाना खाने की आदत भी इस समस्या को बढ़ा सकती है।

बचाव के लिए अपनाएं ये आसान आहार संबंधी उपाय

पेट फूलने से बचने के लिए आप कुछ आसान आहार संबंधी बदलाव कर सकते हैं-

अपने भोजन को अच्छी तरह चबाकर खाएं और खाने के लिए पर्याप्त समय निकालें। इससे कम हवा अंदर जाएगी और पाचन भी बेहतर होगा।

कुछ लोगों को विशेष खाद्य पदार्थों से ज्यादा गैस बनती है। उन खाद्य पदार्थों की पहचान करें और उनका सेवन सीमित करें।

कोल्ड ड्रिंक और कृत्रिम मिठास वाले उत्पादों से परहेज करें। अगर आप कम फाइबर खाते हैं, तो इसे धीरे-धीरे बढ़ाएं और साथ में पानी भी खूब पिएं, ताकि कब्ज न हो।

दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और पाचन सुचारू रहे।

जीवनशैली में बदलाव

खाने-पीने की आदतों में बदलाव के साथ-साथ अपनी जीवनशैली को सुधारना भी पेट फूलने की समस्या से आराम दिला सकता है। इसके लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट कसरत करें ताकि आपकी आंतें ठीक से काम करें। मानसिक तनाव न लें, और तनाव से बचने के लिए योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। एक साथ ज्यादा खाने के बजाय, थोड़ा-थोड़ा कई बार खाएं।अगर आपको पेट फूलने की शिकायत रहती है, तो च्युइंग गम चबाने से बचें। आप दही या प्रोबायोटिक सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं, जो पाचन क्रिया को अच्छा रखने में मदद करते हैं। अगर पेट फूलना लगातार बना रहे, बहुत ज्यादा दर्द हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

मानसून में संक्रामक रोगों से बचे रहना है तो जान लीजिए इसका उपाय, तनाव-शुगर भी रहेगा कंट्रोल

मानसून के मौसम में कई प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया के बढ़ने का खतरा रहता है जो गंभीर संक्रामक रोगों का कारण बन सकते हैं। इनसे बचे रहने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

मानसून के दिनों में सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। नमी वाले इस मौसम में कई प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया के बढ़ने का खतरा रहता है जो गंभीर संक्रामक रोगों का कारण बन सकते हैं। यही कारण है कि इस मौसम में तुलसी का काढ़ा पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है तुलसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है, जिसे भारतीय पारंपरिक चिकित्सा में विशेष स्थान प्राप्त है। मानसून के दौरान संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और तुलसी का काढ़ा इनसे बचाव में सहायक हो सकती है।अध्ययनों में तुलसी की पत्तियों और इसके अर्क को सेहत के लिए बहुत लाभप्रद पाया गया है। इसमें विटामिन-ए और सी के साथ कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है जिसकी हमारे शरीर को नियमित आवश्यकता होती है। आपको फ्लू जैसे संक्रामक रोगों से बचाने से लेकर इम्युनिटी बढ़ाने तक के लिए इसे फायदेमंद पाया गया है।

कैसे बनाएं काढ़ा?

तुलसी का काढ़ा बनाना काफी आसान है। इसके लिए एक पैन में 2 कप पानी उबालें। इसमें तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च, और लौंग डालें। इसे 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर उबलने दें, जब तक कि पानी आधा न हो जाए। अब इसे छानकर कप में निकालें और स्वादानुसार शहद मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

तुलसी का काढ़ा मानसून में रोजाना पीने से आप स्वस्थ और संक्रमण मुक्त रह सकते हैं। हालांकि, यदि आपको किसी विशेष प्रकार की स्वास्थ्य समस्या है या आप गर्भवती हैं, तो इसके सेवन करने से पहले किसी चिकित्सक से परामर्श करें।

शुगर और हार्ट के रोगियों के लिए लाभकारी

शुगर-कोलेस्ट्रॉल दोनों ही समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। बढ़े हुए ब्लड शुगर का स्तर आंखों, तंत्रिकाओं से लेकर हृदय की समस्याओं को बढ़ाने वाला माना जाता है, वहीं हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण हृदय रोग-हार्ट अटैक का जोखिम भी बढ़ जाता है, इसे कंट्रोल में रखना जरूरी है। तुलसी की पत्तियों का सेवन या इससे तैयार काढ़ा पीना इन दोनों स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को कम करने में मददगार है।

दूर रहती है चिंता-तनाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया दैनिक आहार में तुलसी को शामिल करके इससे लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तुलसी की चाय, इसकी पत्तियों या अर्क का सेवन करके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। तुलसी का काढ़ा एक प्राकृतिक एडेप्टोजेन माना जाता है, जो शरीर को तनाव और चिंता से निपटने में मदद करती है। यह मानसिक शांति और संतुलन को बढ़ाने के लिए भी सहायक है। स्ट्रेस की समस्या से परेशान लोगों को भी काढ़ा पीने से लाभ मिल सकता है।

इम्यून सिस्टम होता है मजबूत

तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर संक्रमणों से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी का काढ़ा श्वसन तंत्र को साफ करता है और बलगम को कम करने में मदद करता है।

दिलीप वेंगसरकर ने साधा बुमराह पर निशाना.....

'अगर फिट हो तो सभी मैच खेलो'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला

मुकाबला लीड्स में खेला गया था। भारत को इस मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में बुमराह ने पांच विकेट झटके थे। दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने वापसी की और 336 रनों से जीत दर्ज की। हालांकि, इस मुकाबले में बुमराह नहीं खेले थे। तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई, लेकिन भारत 22 रनों से हार गया। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बुमराह को चौथे टेस्ट में आराम मिल सकता है।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष दिलीप वेंगसरकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अगर फिट हैं तो उन्हें सभी मुकाबले खेलने चाहिए। दरअसल, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथा मुकाबला 23 जुलाई से खेला जाएगा। रिपोर्ट्स में बुमराह की उपलब्धता को लेकर संदेह जताया जा रहा है। हालांकि, गुरुवार को सहायक कोच रेयान डेशकाटे ने इस बात के संकेत दिए हैं कि आगामी मैच में तेज गेंदबाज खेलते हुए नजर आ सकते हैं।चौथे टेस्ट से पहले दिलीप वेंगसरकर ने उस नीति पर सवाल खड़े किए हैं, जिसमें गेंदबाज के पास यह अधिकार होता है कि किन मैचों में वह खेल सकता है। पूर्व खिलाड़ी ने रेवस्पोर्ट्ज से कहा, 'मैं गेंदबाजों द्वारा टेस्ट मैचों को चुनने के पक्ष में नहीं हूं। अगर आप फिट और उपलब्ध हैं, तो आपको अपने देश के लिए सभी मैच खेलने चाहिए। बुमराह एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और वह भारत के लिए मैच जीत सकते हैं। लेकिन एक बार जब आप दौरे पर होते हैं, तो आपको हर मैच खेलना होता है। व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मैच चुनने का कोई सवाल ही नहीं उठता।'भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स में खेला गया था। भारत को इस मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में बुमराह ने पांच विकेट झटके थे। दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने वापसी की और 336 रनों से जीत दर्ज की। हालांकि, इस मुकाबले में बुमराह नहीं खेले थे। तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई, लेकिन भारत 22 रनों से हार गया। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बुमराह को चौथे टेस्ट में आराम मिल सकता है। वेंगसरकर ने आगे कहा, 'महत्वपूर्ण बात भारत के लिए खेलना है और अगर आप अनफिट हैं, तो बिल्कुल भी न खेलें। पहले टेस्ट मैच के बाद उन्हें (बुमराह) लगभग 7-8 दिनों का गैप मिला था, लेकिन फिर भी उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए शामिल नहीं किया गया, जो स्वीकार्य नहीं था। शायद अगरकर और गंभीर के लिए यह स्वीकार्य था।'बुमराह दो टेस्ट खेल चुके हैं और उन्हें बाकी बचे दो टेस्ट में से एक ही खेलना है। भारतीय टीम के सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने कहा कि यह स्पष्ट है कि मैनचेस्टर में सीरीज निर्णायक स्थिति में है, इस लिए हमारा झुकाव यहां बुमराह को उतारने पर है। हालांकि उन्हें खिलाने पर फैसला अंतिम क्षणों में लिया जाएगा।

आईसीसी की बड़ी कार्रवाई, प्रतिका रावल और इंग्लैंड महिला टीम पर लगाया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज प्रतिका रावल और इंग्लैंड की महिला टीम पर जुर्माना लगा दिया।

आईसीसी ने यह कार्रवाई भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच बुधवार (16 जुलाई) को खेले गए मुकाबले में हुई गलतियों के कारण की। बता दें कि, भारत ने यह मुकाबला चार विकेट से जीता था। दोनों टीमों के बीच दूसरा मुकाबला शनिवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।दाएं हाथ की भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके खाते में एक डीमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। आईसीसी ने यह कार्रवाई लेवल एक के उल्लंघन के लिए की है। दरअसल, 18वें ओवर में रावल की इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फिलर से टक्कर हो गई थी। इसके अलावा वह आउट होने के बाद सोफी एक्लेस्टोन से उलझ गईं थीं। आईसीसी ने दोनों घटनाओं को खेल भावना का उल्लंघन माना। प्रतिका ने आरोप स्वीकार कर लिए जिसकी वजह से किसी आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी इसके अलावा इंग्लैंड की महिला टीम पर भी आईसीसी ने जुर्माना ठोका है।

क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इस टीम पर पहले मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगाया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, किसी भी टीम पर निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर पूरा न कर पाने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर सामूहिक रूप से पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है टी20 सीरीज जीतने के बाद वनडे सीरीज जीतने के इरादे से उतरी भारतीय टीम ने पहले मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया।

पांच राज्यों में खेले जाएंगे मैच और 24 टीमें लेंगी हिस्सा, उद्घाटन 23 को

एजेंसी

नई दिल्ली। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता डूरंड कप इस वर्ष नए रिकॉर्ड और भव्य आयोजनों के साथ होने जा रही है। गुरुवार को कोलकाता के एओआई विजय दुर्ग में आयोजित ट्रॉफी अनावरण समारोह के दौरान 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।इस अवसर पर प्रतियोगिता की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों डूरंड कप, शिमला ट्रॉफी (1904 से) और प्रेसिडेंट्स कप (स्थायी रूप से विजेता के पास रहता है) का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उनके साथ थे आईएएस राजेश कुमार सिन्हा, आयोजन समिति के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा और उपाध्यक्ष, डूरंड आयोजन समिति मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे उपस्थित थे।इस मौके पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास अरूप विश्वास ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उद्घाटन और 23 अगस्त को फाइनल मुकाबले में मौजूद रहेंगी। चार बड़े क्लब मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, मोहम्मडन एससी और डायमंड हार्बर एफसी के लिए 5000-5000 टिकट आरक्षित किए गए हैं, ताकि प्रशंसकों की भागीदारी अधिकतम हो सके।इस मौके पर आईएएस राजेश कुमार सिन्हा ने कहा, डूरंड कप ने पिछले छह वर्षों में कोलकाता में फिर से अपनी गरिमा प्राप्त की है। राज्य सरकार ने आयोजन के लिए 15 करोड़ खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सभी विभागों का सहयोग सराहनीय है।लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने घोषणा की कि इस बार 3 करोड़ से अधिक इनामी राशि रखी गई है, जो पहले के 1.2 करोड़ से कहीं अधिक है। तीन व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को एसयूवी गाड़ियां दी जाएंगी। यह भारतीय फुटबॉल प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

'सर जडेजा' के मुरीद हुए गंभीर-डेशकाटे और कोटक, 'मोस्ट वैल्यूड प्लेयर' का तमगा थमाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल

बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को भारतीय ड्रेसिंग रूम का एक खास वीडियो साझा किया, जिसमें भारतीय दिग्गजों को जडेजा की प्रशंसा करते देखा जा सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले में स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगभग छह घंटे बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट में भारत को 22 रनों से हराया और सीरीज में 1-2 से बढ़त हासिल कर ली। जडेजा के दमदार प्रदर्शन की अब मुख्य कोच गौतम गंभीर, सहायक कोच रेयान डेशकाटे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने तारीफ की है।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को भारतीय ड्रेसिंग रूम का एक खास वीडियो साझा किया, जिसमें भारतीय दिग्गजों को जडेजा की प्रशंसा करते देखा जा सकता है। इसी के साथ जडेजा को मोस्ट वैल्यूड प्लेयर (एमवीपी) का तमगा भी मिला। गंभीर ने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय मुकाबला था। जड्डू का प्रदर्शन शानदार था।'193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 36 वर्षीय ऑलराउंडर जडेजा ने भारत की दूसरी पारी में 181 गेंदों का सामना किया और 61 रन बनाकर नाबाद रहे। नंबर सात पर बल्लेबाजी करने उतरे जडेजा को बुमराह और सिराज का साथ मिला, लेकिन वह भारत को जीत नहीं दिला सके। तीनों ने 34 से ज्यादा ओवर तक संघर्ष किया और इंग्लैंड के गेंदबाजों को निराश किया। डेशकाटे ने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में, उन्होंने ड्रेसिंग रूम में जो निरंतरता और शांति दिखाई है... मैं उन्हें इतने वर्षों से देख रहा हूं, और जिस तरह से उन्होंने अपने खेल को निखारा है। उनका डिफेंस बहुत मजबूत है, वे एक बेहतरीन बल्लेबाज लगते हैं।'जडेजा लॉर्ड्स में चौथी पारी में सबसे गेंदें खेलने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इस मामले में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया।

धोनी ने साल 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ इस मैदान पर चौथी पारी में 159 गेंदें खेली थीं। इस मामले में शीर्ष पर अजीत अगरकर हैं, जिन्होंने 2002 में 190 गेंदें खेली थीं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता है। इतने अनुभव के साथ,वह आमतौर पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में टीम की जरूरत के अनुसार प्रदर्शन करते हैं। वह टीम के लिए वाकई बहुत मूल्यवान हैं।'

ग्रामीण मांग बनी उपभोग वृद्धि की रीढ़, एफएमसीजी से ऑटो तक सेक्टरों में दिखेगा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएल कैपिट की रिपोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण मांग में सुधार से एफएमसीजी से लेकर ऑटोमोबाइल जैसे प्रमुख उपभोग क्षेत्रों की रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बीते कुछ तिमाहियों में ग्रामीण मांग ने शहरी मांग से बेहतर प्रदर्शन किया है, और अब यह रफ्तार और तेज हो सकती है।ग्रामीण मांग में सुधार प्रमुख उपभोक्ता क्षेत्रों जैसे एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल फोन, आवास और परिधान की रिकवरी में अहम भूमिका निभा सकता है। पीएल कैपिट की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोग से जुड़े इन क्षेत्रों को ग्रामीण इलाकों से धीरे-धीरे उभरती मांग से समर्थन मिलने की उम्मीद है। **ग्रामीण मांग ने शहरी मांग से किया बेहतर प्रदर्शन :** रिपोर्ट के अनुसार, बीते कुछ तिमाहियों में ग्रामीण मांग ने शहरी मांग से बेहतर प्रदर्शन किया है, और अब यह रफ्तार और तेज हो सकती है। इसकी प्रमुख वजहें हैं स्थिर उपभोक्ता भावनाएं, आय में वृद्धि और अनुकूल मानसून के चलते कृषि उत्पादन में सुधार है। **ग्रामीण उपभोक्ता सूचकांक में हो रहा सुधार :** इसमें कहा गया कि बेहतर कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास पर बढ़ते सरकारी खर्च के कारण ग्रामीण परिवार अधिक लचीलापन दिखा रहे हैं। ग्रामीण उपभोक्ता भावना सूचकांक (सीएसआई) जनवरी 2024 में 96.5 से मई 2025 तक 100 तक लगातार सुधर रहा है। इसी दौरान भविष्य की अपेक्षा सूचकांक (एफईआई) भी 124.3 से बढ़कर 125.9 हो गया है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते आशावाद को दर्शाता है। **अच्छे मौसम से कृषि आय में वृद्धि होने की संभावना:** इसमें कहा गया कि अच्छे मानसून और कम महंगाई से ग्रामीण मांग को बनाए रखने और बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस सकारात्मक प्रवृत्ति में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक खरीफ बुवाई में सुधार है।

संक्षिप्त सामाचार

साहब स्कूल दो किलो मीटर दूर है, कैसे जाएंगे छोटे छोटे बच्चे

विकलांग बच्चों ने भी सुनाई पीड़ा बोले हमारा भविष्य छीना जा रहा है

परतावल/महराजगंज। महराजगंज जनपद के विकास खण्ड परतावल क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के खिलाफ ग्रामीणों का जन सैलाब सोमवार को

जिला मुख्यालय पर उमड़ पड़ा। अभिभावकों, ग्राम प्रधानों, सामाजिक कार्यकताओं और स्कूली बच्चों ने डीएम कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर शासन की इस नीति को वापस लेने का मांग कीया। छोटे-छोटे बच्चों को दो से तीन किलोमीटर दूर भेजना अमानवीय है। बिना किसी समुचित परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था के इतने छोटे बच्चों को दूरस्थ स्कूलों तक भेजना न तो सुरक्षित है और न ही व्यवहारिक। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एक ओर सरकार हर गांव में निजी विद्यालयों को बढ़ावा दे रही है वहीं दूसरी ओर सरकारी विद्यालयों को मर्ज कर बंद किया जा रहा है। इससे गरीब, वंचित और विकलांग वर्ग के बच्चों की शिक्षा पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। विकलांग बच्चों के लिए नजदीकी स्कूल ही एकमात्र सहारा था एक दिव्यांग छात्र ने रोते हुए कहा सरकार ने वह भी छीन लिया। अब हम कैसे पढ़ाई करेंगे? गांव के कई मासूम बच्चे अपने बंद पड़े स्कूलों के गेट पर पहुंच कर फूट-फूट कर रोते देखे गए। यह दृश्य हर संवेदनशील नागरिक के हृदय को झकझोर देने वाला है। ग्राम प्रधानों ने स्पष्ट कहा कि यदि मर्ज किया जाना अनिवार्य है तो सरकार पहले परिवहन, सुरक्षा और सहायक शिक्षकों की समुचित व्यवस्था करे। वरना मूल विद्यालय को पुनः संचालित किया जाए। अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि शासन ने शीघ्र इस मामले में कोई समाधान नहीं निकाला तो यह आंदोलन जिला स्तर से प्रदेश स्तर तक उग्र रूप धारण कर लेगा।

विशाल श्रीवास्तव द्वारा अंग्रेजी विषय में अतिरिक्त गतिविधियों का सफल आयोजन

○ छात्रों में भाषा कौशल विकास हेतु रचनात्मक पहल, सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ कार्यक्रम

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2), पक्की बाग, गोरखपुर में अंग्रेजी विषय को रोचक एवं व्यवहारिक बनाने के उद्देश्य से श्री विशाल श्रीवास्तव द्वारा

आयोजित अतिरिक्त शैक्षिक गतिविधियों का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के अंग्रेजी भाषा कौशल में सुधार लाना और उन्हें रचनात्मक मंच प्रदान करना था। इस आयोजन के अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता, कहानी लेखन, नाटक मंचन, तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित शैक्षिक खेल आयोजित किए गए। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों के रचनात्मकता, आत्म-विश्वास और आलोचनात्मक सोच के विकास में मदद की।

कार्यक्रम के समापन पर श्री विशाल श्रीवास्तव ने कहा...

"शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। ऐसी इंटरैक्टिव गतिविधियाँ विद्यार्थियों को भाषा का व्यावहारिक उपयोग सिखाती हैं और उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखकर खुशी हुई।" कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए शिक्षकों एवं छात्रों ने श्री विशाल श्रीवास्तव के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सभी ने भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों की निरंतरता की उम्मीद जताई। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह एवं कोषाध्यक्ष श्री महेश गर्ग ने श्री विशाल श्रीवास्तव को सम्मानित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

ऋषि का सद्साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है: उमानन्द शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत कृष्णा पब्लिक स्कूल, रॉयल सिटी, औरंगाबाद, बिजनौर रोड, लखनऊ" के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 443वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्त्री श्रीमती सरोज श्रीवास्तव ने अपने दिवंगत पूज्य पिता स्व० कमला प्रसाद श्रीवास्तव एवं दिवंगत पूज्य ससुर स्व० परमात्मा सिंह श्रीवास्तव की स्मृति में भेंट किया तथा सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि का सद्साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है।

एलडीए अधिकारियों ने सील निर्माण को करवाया पूर्ण, शीघ्र होगी अध्यासित

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार अनधिकृत निर्माण रोकने में सफल होने के

बाद लखनऊ शहर के चारों ओर। अनधिकृत निर्माण की बाढ़ आ गई है, बेलगाम हो गए, अनधिकृत निर्माण रोकने में हताश हुए उपाध्यक्ष अब अनधिकृत निर्माण की शिकायत करने वाले शिकायतकर्ताओं के प्रॉपर्टी डीलरों बिल्डरों को बुलाकर फर्जी मुकदमे दर्ज करवाने के लिए लोगों पर कथित दबाव बना रहे हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सील किए गए अनधिकृत निर्माण अधिकांश उन्हीं के मंत्र प्रवर्तन में तैनात अवर व सहायक अभियंता तथा जोनल अधिकारी की दूषित कार्य शैली के चलते अधिकांश पूर्ण होकर अध्यासित हो गए हैं, उक्त जानकारी से उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार अछूते नहीं है, जमीनी स्तर पर तैनात अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को दरकिनार कर कथित तौर पर जेबें भरने में व्यस्त हैं। यह स्थिति लखनऊ के शहरी विकास और कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है। चैंकाने वाला मामला उन बिल्डिंगों का है, जिन्हें एलडीए ने अवैध गतिविधियों के चलते सील कर दिया था, लेकिन उन पर भी बेखौफ होकर निर्माण कार्य जारी है, जो एलडीए अधिकारियों की दुरभि संधि के बिना संभव नहीं हो सकता. मड़ियांव क्षेत्र के छठ मिल तिराहे से लगभग 200 मीटर दूर रैथा मार्ग पर सील निर्माण पूर्ण होकर अध्यासित होने की तैयारी में है वही ताड़ी खाने से ककौली मार्ग पर अन्ना पुलिया के पास परिधि बैंक्विट हॉल के सामने व्यावसायिक निर्माण की आइजीआरएस पोर्टल पर अनेकों शिकायतों के बाद भी पूर्ण हो गया जो प्रवर्तन जोन-4 का जीता-जागता उदाहरण हैं। यहां एलडीए द्वारा सील की गई दो बिल्डिंगों में बिल्डरों ने सीलिंग तोड़कर फिर से निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, यह सारा खेल अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा है, लेकिन वे अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं, जिससे इस अपराध को पनपने का मौका मिल रहा है। यदि कोई नागरिक जनहित में भारतीय अनुच्छेद 51 क व अधिनियम 19 के तहत अनाधिकृत निर्माण की लखनऊ विकास प्राधिकरण में शिकायत करने पर एलडीए के भ्रष्टाचार का द्वैतक बने अधिकारी शिकायतकताओं को अपमानित कर अवैध वसूली या बिल्डर से पैसे मांगने जैसे झूठे आरोप लगाए जाते हैं, एलडीए अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार को छिपाने और जवाबदेही से बचने की एक सोची-समझी रणनीति लगती है, मुख्यमंत्री के पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने पर एलडीए अधिकारियों द्वारा शिकायतों का सत प्रतिशत फर्जी निस्तारण किया जाता है। सीलिंग के बाद सील की गई बिल्डिंग की निगरानी के लिए एलडीए द्वारा संबंधित थाने को एक पत्र भेजकर मामले की अतिष्टि कर कहा जाता है कि पुलिस अभिरक्षा में है, संबंधित मामले में पूँछने पर अनेकों थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्य एलडीए का है, पुलिस प्रत्येक अनधिकृत निर्माण पर नहीं बैठ सकती है यदि अनधिकृत निर्माण होने पर एलडीए अधिकारी पुलिस को सूचना दें पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाएगी,बृहद विडंबना इस बात की है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन अधिकारी के द्वारा विहित प्राधिकारी के पास अनधिकृत निर्माण की सूचना देने के बाद वर्षों तक विहिक प्राधिकारी द्वारा सीलिंग आदेश पारित नहीं किया जाता है और अनधिकृत निर्माण कर्ता प्रवर्तन में तैनात अधिकारियों से दुरभि संधि करके अनधिकृत निर्माण को पूर्ण कराकर अध्याशित कर लेता है। इसके लिए जिम्मेदार कौन प्रवर्तन अधिकारी या उपाध्यक्ष-?

लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में जश्न का माहौल, मेयर बोलीं उपलब्धि के लिए शहर को बधाई

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ ने देश में 10 लाख से अधिक आबादी वाले

स्वच्छ शहरों में तीसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि का नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को जमकर जश्न मनाया गया। पूरे ऑफिस परिसर को फूलों से सजाया गया। रेड कारपेट बिछाई गई। गुब्बारे से दीवारें सजाई गई। रंगोली बनाई गई। मेयर सुषमा खर्कवाल और उनकी टीम का फूलों की बारिश कर स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों पर कर्मचारी थिरकते नजर आए। शहर में जगह-जगह मेयर के साथ में अवॉर्ड लेने वाली टीम का पार्षद और स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा पिछले दो साल से लगातार लखनऊ में स्वच्छता की मुहिम चलाई जा रही थी। इससे लखनऊ को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसका सबसे बड़ा श्रेय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का है। उनके मार्गदर्शन में यह सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कहा लखनऊ के सफाई कर्मियों की भी विशेष भूमिका है। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए 1200 ईवी गाड़ियां लगाई गईं। 150 मशीनों से रोड स्वीपिंग की गई। सभी के सामूहिक प्रयास से यह सफलता मिली है। सबसे अधिक उन मतदाताओं को बधाई, जिन्होंने 5 लाख 37 हजार वोट देकर विश्वास जताया था। लखनऊ को देशभर में तीसरी रैंक खास वजहों से मिली है। शहर में कचरे को गीले और सूखे में अलग-अलग करके इकट्ठा किया गया। इसके अलावा स्वच्छता ही सेवा, हर रविवार सफाई के नाम अभियान चलाया। नगर निगम ने जीपीएस सिस्टम से लैस कचरा वाहनों, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और फीडबैक सिस्टम के जरिए से सफाई अभियान को ट्रैक किया। इसके साथ ही लखनऊ पूरी तरह से ओडीएफ यानी कि खुले में शौच से मुक्त हो चुका है, जो कि रैंकिंग में बड़ा पॉजिटिव पॉइंट बना। भारत सरकार हर साल स्वच्छ सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करती है। इसमें देश के शहरों को उनकी स्वच्छता के आधार पर रैंकिंग दी जाती है। स्वच्छ सर्वेक्षण में किसी भी शहर की रैंकिंग ठीक-ठीक तय मानकों के आधार पर दी जाती है। हालांकि ये मानक हर साल अपडेट होते रहते हैं, लेकिन बेसिक स्ट्रक्चर सेम रहता है।

एक रहस्यमय जगह, तीन हजार साल पुरानी सभ्यता

लखनऊ (संवाददाता)। नबाबों का शहर लखनऊ जो न सिर्फ अपने तहजीब के लिए जाना जाता है बल्कि यहां के खान-पान और यहां की फिजाओं में बहुत कुछ जरब है। यहां के लोग, उनकी तहजीब, उनकी तालीम पूरी दुनिया मानती है लेकिन इससे इतर इस शहर में कई ऐसी जगह भी है जो आज भी रहस्यमय और लोगों के लिए कौतूहल बना हुआ है। यहां की इमारतें अपने आप में एक रहस्य है। जहां खुदाई में 3000 साल पुरानी सभ्यता के अवशेष मिले हैं। यहां एक प्राचीन मंदिर और इमारतों के अवशेष भी मिले हैं, जो पूर्व-एनबीपीडब्ल्यू से लेकर मध्ययुगीन काल तक के सांस्कृतिक अनुक्रम को दर्शाते हैं। यह स्थल लगभग 86 एकड़ में फैला हुआ है और सामान्य धरातल से 5 मीटर ऊंचा है, जिसके चारों ओर करेला झील है। हुलास खेड़ा में खुदाई के दौरान, पुरातत्व विभाग ने 1978-79 में उत्खनन कार्य शुरू किया था। यहां से प्राप्त ईंटों और अन्य निर्माण सामग्री से पता चलता है कि यहां एक प्राचीन बस्ती थी, जिसमें मंदिर और इमारतें शामिल थीं। खुदाई में मिली ईंटों की बनावट और मोटाई से अनुमान लगाया गया है कि यह एक महत्वपूर्ण स्थल था, जिसमें 3000 साल पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिलते हैं।

लखनऊ के गोमती नगर से चलेंगी 2 अमृत भारत ट्रेन, मोदी ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गोमती नगर रेलवे स्टेशन से 2 अमृत भारत एक्सप्रेस चलेंगी। पीएम मोदी ने बिहार से इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें से एक ट्रेन बंगाल के मालदा टाउन और दूसरी बिहार के दरभंगा तक चलेगी। इनके अलावा मोदी ने एक और अमृत भारत को हरी झंडी दिखाई, जो बिहार के बापूधाम मोतीहारी से लखनऊ होते हुए दिल्ली आनंद विहार के लिए जाएगी। अभी ये तीनों ट्रेनें वीकली रहेंगी। बाद में इन्हें रेगुलर किया जाएगा। इनकी रफ्तार 130 किमी प्रतिघंटा रहेगी। मॉडर्न कोच वाली ट्रेन में दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा होगी। ट्रेन में सामान्य और स्लीपर क्लास की 22 बोगियां होंगी, ताकि आम यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। रेलवे बोर्ड ट्रेनों के संचालन के लिए जल्द ही नोटिफिकेशन जारी करेगा। मालदा टाउन से गोमतीनगर के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस हर गुरुवार को शाम 7.25 बजे रवाना होगी। अगले दिन दोपहर 3.40 बजे गोमतीनगर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन हर शुक्रवार शाम 6.40 बजे गोमतीनगर से चलेगी और शनिवार को शाम 4.40 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। ट्रेन में स्लीपर और जनरल श्रेणी की कुल 22 बोगियां होंगी। यह ट्रेन न्यू फरक्का, बरहरवा, साहिबगंज, भागलपुर, गया, वाराणसी, अयोध्या कैंट जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

गड्ढों में धान की रोपाई कर जताया विरोध: बदहाल सड़क पर फूटा लोगो का गुस्सा

गाजीपुर। जनपद गाजीपुर के आदर्श बाजार की जर्जर सड़कों को लेकर लोगों का सब्र आखिरकार जवाब दे गया। ब्लू बर्ड स्कूल के सामने की सड़क पर जलभराव और गड्ढों से परेशान स्थानीय लोगों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क के गड्ढों में धान की रोपाई कर अपनी पीड़ा जाहिर की। बारिश के मौसम में जलजमाव के कारण सड़कें कीचड़ और दलदल में तब्दील हो चुकी हैं, जिससे राहगीरों, स्कूल जाने वाले बच्चों, बाइक सवारों और टेंपो चालकों को रोजाना भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आए दिन इस रास्ते पर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोग गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या की ओर आंख मूंदे

बैठे हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि जब स्थानीय विधायक और राज्यसभा सांसद का आवास भी इसी क्षेत्र में स्थित है, तो फिर जनता की इस बुनियादी समस्या को अब तक क्यों अनदेखा किया गया? प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे समाजसेवी सुरेश कुमार कुशवाहा, उपेन्द्र यादव, कुनिल, बृजेश कुमार ने कहा, हमने कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को मौखिक रूप से इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन नतीजा सिफर रहा। अब जब हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि सड़क, सड़क नहीं रह गई, बल्कि धान की खेती लायक हो गई है, तो हम लोगों ने गड्ढों में धान रोप कर अपना विरोध दर्ज कराया है। समाजसेवी संगठन मानव उदय फाउंडेशन के अजीत कुमार सिंह ने बताया, यह रास्ता मौत का फंदा बन गया है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, हर कोई इस रास्ते पर गिर जाते है। लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से लगता है कि उन्हें आम जनता की पीड़ा से कोई सरोकार नहीं ह्व इस विरोध प्रदर्शन में उपेंद्र यादव, फौजदार मोहन, एम. राजू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। वही पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता से और जल निगम के अवर अभियंता से टेलिफोनिक वार्ता हुई इन दोनों अधिकारियों का जवाब संतोषजनक नहीं रहा यह टालमटोल करते रहे जिससे समस्या का निदान हो पाना अभी फिलहाल समझ से परे है। सभी का कहना था कि अगर जल्द ही सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन और भी उग्र रूप लेगा। लोग अब सोशल मीडिया पर इस समस्या को उजागर कर रहे हैं, और स्थानीय प्रशासनिक कार्यालयों के घेराव की रणनीति पर भी विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि आदर्श बाजार गाजीपुर का व्यस्ततम इलाका है, जहां से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग आवागमन करते हैं। इस इलाके में ब्लू बर्ड जैसे नामचीन स्कूल होने के बावजूद बुनियादी ढांचे की यह हालत चिंताजनक है। लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग और प्रशासनिक अधिकारी अविलंब संज्ञान लें और इस गड्ढा युक्त सड़क की मरम्मत का कार्य तत्काल शुरू कराएं, जिससे आम नागरिकों को राहत मिल सके। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाते हुए ठोस कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि जनता का भरोसा लोकतंत्र पर बना रहे।

सिद्धार्थनगर को मिली स्वास्थ्य सेवा की नई सौगात हिन्द मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने सिद्धार्थनगर मुख्यालय के सनीई चौराहा स्थित हिन्द सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित हिन्द मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर

उन्होंने कहा कि "शहरी क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं से युक्त अस्पताल का स्थापित होना अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह अस्पताल क्षेत्र की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।"

आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल

प्रबंधन के अनुसार, अस्पताल में लखनऊ और अन्य बड़े शहरों के विशेषज्ञ चिकित्सक समय-समय पर सेवाएं देंगे। चिकित्सा क्षेत्र में यह संस्थान महिला एवं शिशु चिकित्सा, सामान्य चिकित्सा, सर्जरी और अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। कोरोना काल के अनुभवों ने इस अस्पताल की नींव रखी। अस्पताल प्रबंधक ने बताया कि ह्लमहामारी के दौरान क्षेत्र के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। उसी समय यह संकल्प लिया गया कि जनपद में एक ऐसा आधुनिक अस्पताल बनाया जाए जो सुलभ, सस्ता और सेवाभाव से जुड़ा हो।

नि:शुल्क भोजन सेवा का संकल्प

जब सांसद जगदंबिका पाल को यह जानकारी मिली कि अस्पताल मरीजों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराएगा, तो उन्होंने कहा- "शायद यह देश का पहला निजी चिकित्सालय होगा, जिसने शुरूआत से ही मरीजों को भोजन नि:शुल्क देने का संकल्प लिया है। यह कार्य वास्तव में अनुकरणीय और समाज सेवा की मिसाल है।"

समाज सेवा के लिए प्रतिबद्ध डॉक्टरों की टीम

अस्पताल प्रबंधन ने यह भी बताया कि देशभर के प्रसिद्ध चिकित्सक समय-समय पर समाज सेवा के तहत यहां आकर सेवाएं देंगे, जिससे गरीब और दूर-दराज के मरीजों को बेहतरीन उपचार उनके निकटतम स्थान पर ही मिल सके।

गणमान्य लोग रहे उपस्थित

इस उद्घाटन समारोह में शहर के प्रबुद्ध नागरिक, डॉक्टर, समाजसेवी, अस्पताल स्टाफ और अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहे। अस्पताल की स्वच्छता, सुव्यवस्था और सुविधाओं को देखकर आगंतुकों ने सराहना की और संस्थान को शुभकामनाएं दीं।

सपा प्रतिनिधिमंडल ने की पीड़ित परिवार से मुलाकात

गोरखपुर। ग्राम कतरारी (थाना बेलीपार) में हुई मारपीट व डूबने से अक्षय कुमार भारती की मौत के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला। मिठाई लाल भारती, ब्रजेश गौतम, डॉ. संजय कुमार, विनय सिंह बिन्नू सहित कई नेता मौके पर पहुंचे और परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की और कहा कि जल्द न्याय न मिलने पर आंदोलन किया जाएगा।

नगर निगम सदन की 14वीं बैठक सम्पन्न कार्यकारिणी समिति के 6 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

गोरखपुर। नगर निगम सदन की 14वीं बैठक आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता

महापौर एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में की गई, जिसमें सदन के मा० सदस्यगणों ने भाग लिया। बैठक के प्रथम बिन्दु के तहत, पूर्व में आयोजित 12वीं बैठक (दिनांक 14 एवं 15 मई 2025) तथा 13वीं बैठक (दिनांक 10 जून 2025) की कार्यवाही की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई। द्वितीय बिन्दु के अंतर्गत, कार्यकारिणी समिति के 6 सदस्यों का निर्वाचन शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें निम्नलिखित सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए:

1. श्रीमती पूनम सिंह
2. श्रीमती मीरा यादव
3. श्रीमती रन्जूला रावत
4. श्री रामगति निषाद
5. श्री अशोक कुमार मिश्र
6. श्री जियाउल इस्लाम

निर्वाचित सभी सदस्यों को नगर निगम परिवार एवं शहरवासियों की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। बैठक के दौरान नगर विकास से संबंधित कई अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई, जिससे भविष्य में शहर की कार्यप्रणाली और मजबूत होने की उम्मीद जताई गई।

भाजपा उनवल मंडल की नई कार्यकारिणी गठित, विधायक प्रदीप शुक्ला जी एवं हिन्दू युवा वाहिनी के रामपाल सिंह ने दी बधाई

सहजनवा (गोरखपुर)। भारतीय जनता पार्टी की उनवल मंडल इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें विभिन्न पदों पर नव नियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक प्रदीप शुक्ला ने सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। नवगठित कार्यकारिणी में इंद्र कुमार निगम को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, सुमित सिंह, विजय तिवारी, शशि शेखर सिंह, योगेंद्र साहनी, प्रदीप सिंह एवं रमेश पासवान को मंडल उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है। योगेश बर्मा और सतीश उपाध्याय को महामंत्री बनाया गया है। जबकि अश्वनी सिंह, सत्येंद्र सिंह, दिवाकर राम त्रिपाठी, गोकरन प्रसाद और कुमारी प्रियंका सहनी विजय कांति शर्मा को मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई है। विजय शंकर मौर्य को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सदस्य के रूप में मीडिया की जिम्मेदारी संदीप तिवारी आई.टी.संयोजक के रूप में विनय त्रिपाठी, सोसल मीडिया राहुल गुप्ता, एवं सदस्य के रूप में संजय विश्वकर्मा, संदीप चौरसिया को दिया

गया। विधायक प्रदीप शुक्ला ने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी पार्टी संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी तथा क्षेत्र में जनसेवा के नए मानदंड स्थापित करेगी। उन्होंने सभी कार्यकताओं से संगठनात्मक दायित्वों के साथ सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। बधाई देने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष बंशबहादुर सिंह, पूर्व विधायक राजेंद्र बृजेश सिंह, हिंदू वाहिनी नेता रामपाल सिंह, एडवोकेट राणा प्रताप सिंह, घनश्याम मिश्रा,नगर अध्यक्ष महेश कुमार दुबे पूर्व जिला पंचायत सदस्य हरिशंकर सिंह पूर्व नगर अध्यक्ष उमाशंकर निषाद पूर्व ग्राम प्रधान संतोष राम त्रिपाठी, वरिष्ठ नेता मनोज राम त्रिपाठी ,गब्बू मद्धेशिया,हरीधर दुबे, श्याम मोहन उपाध्याय, रामप्रकाश पाण्डेय, गंगोत्री राम त्रिपाठी, नागेन्द्र पाण्डेय, जनार्दन तिवारी, अभिमन्यु तिवारी, राजन तिवारी, गिरजेश तिवारी, अच्युतानंद तिवारी, राजन पासवान, यशवंत साहनी, मिथिले यादव, बालेन्द्र त्रिपाठी, श्रीप्रकाश गुप्ता,राहुल सिंह, अमित विश्वकर्मा, मनोज चौरसिया, अश्वनी गुप्ता, दिनेश मद्धेशिया, रवींद्र मद्धेशिया।

गोरखपुर की बेटी डॉ. प्रतिमा विश्वकर्मा को हर्बल औषधियों पर पोर्टेबल टॉक्सिसिटी डिटेक्टर के लिए दूसरा पेटेंट

देश को मिली एक और वैज्ञानिक उपलब्धि, शोध और नवाचार के क्षेत्र में रचा नया इतिहास

गोरखपुर। गोरखपुर की प्रख्यात शोधकर्ता डॉ. प्रतिमा विश्वकर्मा को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें उनके नवीन आविष्कार "पोर्टेबल टॉक्सिसिटी डिटेक्टर फॉर हर्बल मेडिसिंस" के लिए दूसरा पेटेंट प्रदान किया गया है। इससे पहले भी उनके एक अन्य वैज्ञानिक आविष्कार को पेटेंट मिल चुका है, जो उनके सतत शोध, नवाचार और समर्पण का प्रमाण है। डॉ. प्रतिमा द्वारा विकसित यह यंत्र हर्बल औषधियों के द्रव या पाउडर रूप में मौजूद नमूनों का तुरंत परीक्षण कर, उनमें पाए जाने वाले हानिकारक रसायनों की तत्काल पहचान करने में सक्षम है। इस यंत्र में उन्नत केमिकल सेंसर, माइक्रोफ्लूडिक विश्लेषक और बायोलॉजिकल सेंसर लगाए गए हैं जो रियल-टाइम डेटा मुहैया कराते हैं। विशेष बात यह है कि यह उपकरण नेटवर्क कनेक्टिविटी के जरिए डेटा साझा भी कर सकता है, जिससे इसका उपयोग बड़ी स्तर पर संभव है। डॉ. प्रतिमा न केवल एक कुशल वैज्ञानिक हैं बल्कि लेखन और नवाचार के क्षेत्र में भी उनकी पहचान है। उनकी 6 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और उन्हें कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। गोरखपुर में इस उपलब्धि को लेकर शोध जगत और आम नागरिकों में जबरदस्त उत्साह है। यह सम्मान न केवल गोरखपुर बल्कि पूरे देश की वैज्ञानिक शक्ति और नारी प्रतिभा का गौरव बढ़ाने वाला है।

स्नातक एमएलसी चुनाव से पहले मतदाता बनाने में दावेदारों ने झोंकी ताकत

गाजीपुर। वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाग्य आजमाने की तैयारी में जुटे दावेदार चुनाव से

पहले अपने पक्ष में अधिक से अधिक मतदाता बनाने की लड़ाई लड़ रहे हैं और अपनी ताकत झोंक दी है। चुनाव में अब करीब सात महीने ही बचे हैं, ऐसे में उम्मीदवारों ने अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री चौधरी दिनेश चंद्र राय शिक्षकों और स्नातकों तक पहुंचने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में सीधे भाग ले रहे हैं। उनका कहना है कि वह गरीब और बेरोजगार युवाओं के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। उनकी समस्याओं को अपनी समस्या मानते हैं। दिनेश चंद्र राय शिक्षक के साथ ही साथ तीन दशक से सामाजिक क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्हें स्नातक चुनाव क्षेत्र में सभी वर्गों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। वहीं, शिक्षक कोटे से सपा के वर्तमान एमएलसी लाल बिहारी यादव भी लगातार मतदाता बढ़ाने और कॉलेजों पर जनसंपर्क कर रहें हैं। शिक्षकों की समस्या को लेकर सदन में उठाने की बात कर रहें हैं। उधर किसी भी प्रमुख दल ने अभी तक अपने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है लेकिन दावेदार अपनी तैयारी में जुट गए हैं।

दावेदार चला रहे मतदाता बनाने का कार्य

खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में हर बार नई मतदाता सूची बनाई जाती है और उसी के अनुसार चुनाव होता है। आमतौर पर स्नातक मतदाता बनने में रुचि नहीं दिखाते। दावेदार ही अपने समर्थकों के माध्यम से स्नातकों का विवरण लेते हैं और आवेदन पत्र भरकर निर्वाचन कार्यालय में जमा करते हैं। ऐसे में दावेदार ही मतदाता बनाने का क्रम चला रहे है।

इंटरनेट मीडिया पर चला रहे अभियान

दावेदारों के समर्थक नौकरीपेशा लोगों एवं अन्य स्नातकों के बीच जाकर उन्हें मतदाता फार्म भरवाए जा रहे हैं। इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों के जरिए लोगों तक यह सूचना भी पहुंचाई जा रही है। लोगों से उनके दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। राजनीतिक दलों ने भी अपने कार्यकताओं को अधिक से अधिक मतदाता बनाने के काम में लगा दिया है। बूथ स्तर तक स्नातकों को चिह्नित कर उन्हें मतदाता बनने के लिए प्रेरित करने का काम जोरों पर है।

ये बन सकेंगे मतदाता

खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में वे ही लोग मतदाता बन सकते हैं, जिन्होंने अक्टूबर 2025 तक अपना स्नातक पूरा कर लिया है। मतदाता बनने के लिए आवेदन पत्र के साथ स्नातक का अंकपत्र एवं एक पहचान पत्र की प्रति जमा करनी होगी।

गोरखपुर सांसद श्री रवि किशन के जन्मदिन पर सेवा कार्यों की छटा, मरीजों में फल वितरण और विशाल भंडारे का आयोजन

गोरखपुर। गोरखपुर के लोकप्रिय सांसद और फिल्म अभिनेता श्री रवि किशन शुक्ला के जन्मदिन पर शहर में विविध सेवा गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर को जनसेवा के संकल्प के रूप में मनाते हुए वृक्षारोपण, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, एम्स गोरखपुर में मरीजों को फल वितरण, तथा सांसद आवास पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और आमजन ने भाग लिया। सांसद प्रतिनिधि श्री समरेंद्र विक्रम सिंह, श्री पवन दुबे, श्री शिवम द्विवेदी, पं. अनुराग त्रिपाठी शास्त्री, श्री राज गौरव सिंह, श्री जयदुवंशी, श्री सोनू द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एम्स में मरीजों को फल वितरण कर उनके स्वास्थ्य की कामना की गई, वहीं वृक्षारोपण कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। सांसद आवास पर आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। जनसेवा के इस आयोजन ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि सांसद रवि किशन न केवल एक कलाकार हैं, बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

भा.कि.यू. (अराजनैतिक) ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बारा, प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने सोमवार को यमुनापार अध्यक्ष दीपक तिवारी के नेतृत्व में बारा तहसील में पंचायत कर उपजिलाधिकारी को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मुख्य मांगों

में पावर प्लांट मजदूरों के शोषण पर कार्रवाई, अल्ट्राटेक सीमेंट के ट्रकों से हो रही दुर्घटनाओं पर रोक, हर्रो-उमापुर टोल पर ओवरलोड बंद कर निकाले गए वर्करों की बहाली, और ओसा सोनवर्षा अस्पताल को यथास्थान रखने की अपील शामिल है। संगठन ने चेतावनी दी कि 25 जुलाई को कमिश्नरी में महापंचायत होगी यदि कार्रवाई नहीं हुई। कार्यक्रम में प्रदेश व मंडल के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

Siddharthnagar Gets a New Healthcare Gift – Inauguration of Hind Multi Speciality Hospital

Siddharthnagar |"In a significant step towards strengthening healthcare services in the region, Domariyaganj MP Jagdambika Pal inaugurated the Hind Multi Speciality Hospital, located at Sanei Chauraha in Siddharthnagar, run by Hind Seva Trust.

Speaking on the occasion, he said, "Establishing a modern hospital in an urban area is a major achievement. This hospital will serve as a milestone in meeting the medical needs of the district."

State-of-the-Art Medical Facility

According to the hospital management, specialist doctors from Lucknow and other major cities will provide services regularly. The hospital is equipped with modern facilities including women and child care, general medicine, surgery, and other advanced medical services.

The idea for the hospital emerged during the COVID-19 pandemic. The hospital manager shared, "During the pandemic, people in the region faced immense difficulties. That's when we resolved to establish a modern healthcare center that is affordable, accessible, and service-oriented.

Free Meal Service for Patients

When MP Jagdambika Pal learned that the hospital would offer free meals to all patients, he remarked:""This might be the first private hospital in the country that has pledged to serve free meals from day one. This is truly commendable and a shining example of social service."

Team of Doctors Committed to Social Welfare

Hospital officials also stated that renowned doctors from across the country will voluntarily offer their services from time to time. This initiative aims to ensure that patients from rural and remote areas receive top-quality treatment close to home.

Presence of Eminent Personalities

The inauguration event witnessed the presence of prominent citizens, doctors, social workers, hospital staff, and other distinguished guests. Visitors appreciated the cleanliness, organization, and infrastructure of the hospital and extended their best wishes for its future.

14th Meeting of Municipal Corporation Concludes Successfully, 6 Members Elected Unopposed to Executive Committee

Gorakhpur |"The 14th session of the Municipal Corporation Council was successfully conducted today under the chairmanship of the Hon'ble Mayor and the presence of relevant officials. Respected council members actively participated in the proceedings.

Confirmation of Previous Meeting Proceedings

As per the first agenda item, the proceedings of the 12th meeting (held on 14 & 15 May 2025) and the 13th meeting (held on 10 June 2025) were unanimously approved by the house.

Election of Executive Committee Members

Under the second agenda point, the election of six members of the Executive Committee was conducted peacefully. The following members were declared elected unopposed:

1. Mrs. Poonam Singh
2. Mrs. Meera Yadav
3. Mrs. Ranjula Rawat
4. Mr. Ramgati Nishad
5. Mr. Ashok Kumar Mishra
6. Mr. Ziaul Islam

Warm Congratulations Extended"The newly elected members were extended heartfelt congratulations and best wishes on behalf of the Municipal Corporation family and the citizens of Gorakhpur.

During the session, several important topics related to urban development were also discussed, with hopes expressed that the decisions would lead to improved governance and strengthened operations for the city in the coming future.

Dependency on CIBIL for Loans to End, Banks to Join ULI Platform

New Delhi | In a major step toward simplifying and digitizing the loan approval process, the Government of India is set to reduce the financial sector's dependence on credit scores provided by CIBIL. The Department of Financial Services (DFS) under the Ministry of Finance has directed all public and private sector banks, along with non-banking financial companies (NBFCs), to promptly integrate with the Unified Lending Interface (ULI) platform.

The DFS has instructed all financial institutions to nominate a nodal officer responsible for implementing ULI and to ensure monthly reviews of its progress by their respective Managing Directors or CEOs.

A recent high-level meeting chaired by DFS Secretary M. Nagaraju and RBI Deputy Governor T. Rabi Shankar saw participation from 12 public sector banks, 18 private banks, 3 small finance banks, and 6 NBFCs.

What is ULI?"The Unified Lending Interface (ULI) is a digital public infrastructure designed to cover the entire loan lifecycle, from application to repayment. It aims to enhance transparency, increase competition among lenders, and provide borrowers with better and faster loan services.

Impact on CIBIL"Established 25 years ago, CIBIL (Credit Information Bureau India Limited) has long been the primary source for credit scoring. However, with the introduction of ULI, this monopoly is expected to be challenged, offering borrowers more inclusive and fair opportunities.

Government's Vision"This initiative supports the government's broader goal of financial inclusion, allowing easier access to credit for small entrepreneurs, first-time borrowers, and people in underserved regions.

The adoption of ULI is set to transform the lending landscape, making loan disbursal faster, more secure, and more accessible to all segments of society.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।